Daily Gospel Reflections in Hindi

03 June 2019

योहन 4:3-15

Jesus Gives The Water Of Life

आज के सुसमाचार में संत योहन प्रभु येसु और समारी स्त्री का वर्णन करता है। कई प्रतीकात्मक शब्दों का इस्तेमाल आज के सुसमाचार में है। प्रभु येसु को जाना है गलीलिया। गलीलिया की विशेषता यह है कि यह उनकी रहने की जगह है, उनका घर है। प्रतीकात्मक रूप से हम बता सकते है कि यह स्वर्ग है। प्रभु गलीलिया जाने के लिए समारिया के सुखार नामक नगर पहुंचते है और एक समारी स्त्री से बात होती है पानी के लिए। उस जमाने में सुखार नाम गलत अर्थ में उपयोग किया जाता था। सुखार का अर्थ था पियक्कड़ और झूठा। इस प्रकार सुखार नगर गलत जगह गंदी जगह का प्रतीक है। इस संसार का प्रतीक है। और इस गंदी जगह से एक स्त्री से येसु की बात होती है। प्रभु ईसा मसीह स्वर्ग जाने से पहले इस संसार के, पापों में डूबे इंसान के जीवन में आता है और पवित्रात्मा रूपी पानी से (संजीवन जल) हमारे पापों को धो डालते है और मुक्ति देते है।

समारी स्त्री की प्रार्थना है, 'महोदय मुझे वह जल दीजिए क्योंकि येसु से मिलने के बाद वह नहीं चाहती कि अपनी प्यास इस संसार की चीजों से बुझाये बल्कि पवित्र आत्मा से बुझाये। पवित्र आत्मा के लिए समारी स्त्री जैसे हम भी प्रार्थना करे। महोदय मुझे वह जल दीजिए।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019